प्रा. कोड = 10/2385 पृ. क्र. 1
परीक्षा का नाम = पूर्व मध्यमा द्वितीय (1) आदर्श उत्तर
(1) विषय = पौरोहित्यम् विषय कोड 1018 माध्यम = संस्कृतम्
कुल प्रश्न 06
प्र. 1 - (क) पुण्यस्य आवाहनम् पूर्णांक: = 100

(2) (ख) सत्यम्

(3) (ग) वरुणः

(4) (ग) पृथिवी

(5) (ग) आयु अभिवृद्धि हेतुम्

(2) एक वाक्येन उत्तरत

(क) वरुणः

(ख) शुक्ला पितृ कर्मप्रधानम् श्राद्धम्

(ग) ~~एका~~ जन्मतः एकादशे दिवसे नामकरणं भवति

(घ) स्त्री

(ङ) शुक्लाश्मृते

(3) सही जोड़ी

(1) वरुणस्य = (5) जलपूरणम्

(2) उदकम् = (3) जलम्

(3) श्रेयः = (1) कल्याणम्

(4) अपांपतिः = (2) ~~वरुणः~~

(5) वैनतेयः = (4) ~~वरुणः~~ गरुडः

(4) (1) "ग" जीवित भार्या (2) (ख) देवजनाः (3) "ख" षष्ठी (4) "ग" गुरोः (5) एकधा

प्र (5) (1) अर्थ :- तुम्हारे लिये सभी मन्त्रों के अर्थ सफल हों सभी मनोरथ। सिद्ध हों शत्रुओं की बुद्धि का विनाश हो व तुम्हारे मित्रों का उदय हो।

(2) अर्थ :- जलाधिनाथ श्री वरुण के लिये नमस्कार है जिनकी स्फटिक जैसी दिव्य कान्ति है शुभ्र हार को धारण करने वाला सुन्दर पाश को हाथ में धारण करने वाले जलचर जीवों के स्वामी व भुषासन धारी जल के अधिनाथ वरुणदेव को नमस्कार है

(3) हे विघ्नेश्वर वरदान देने वाले सुर अर्थात देवताओं के प्रिय लम्बोदर सारे संसार का हित करने वाले गजमुख को धारण करने वाले श्रुति यज्ञ से विभूषित मैया गौरी के पुत्र गणनाथ श्री गणेशजी के लिये नमस्कार है।

प्र (6) पुण्याहवाचन प्रयोग :- सविस्तरेण लिखत

[signature]